स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र–1

मध्यकालीन काव्य

(भक्ति एवं रीतिकाव्य)

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	$3 \times 12 = 36$ अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	$3 \times 8 = 24$ अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	$10 \times 1 = 10$ अंक
			योग – 70 अंक

निर्देश :– प्रत्येक इकाई से कुल मिलाकर किन्हीं तीन प्रश्नों एवं तीन व्याख्याओं के उत्तर देने हैं।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें – काव्य–कलश– सं0 डॉ0 देवदत्त राय

पाठ्यांश :

1. **कबीर –**

   1. दुलहनी गावहु मंगलचार 2. मन लागा राम फकीरी में 3. एक अचम्भा देखा रे भाई 4. संतौं भाई आई ग्यान की आँधी रे 5. झीनी–झीनी बीनी चदरिया 6. माया महा ठगिनी हम जानी 7. संतों ई मुरदन के गाऊँ 8. मन न रंगाए, रंगाए जोगी कपरा 9. राम सुमिरि पछताएगा 10. घूँघट का पट खोल रे 11. हरि बिनु बैल बिराने होइहैं 12. रस गगन में अजर झरै 13. अब मन जागत रहु रे भाई।

2. **जायसी** : पद्मावत का 'मानसरोदक' खण्ड।

3. **तुलसीदास** : रामचरितमानस का 'उत्तरकाण्ड' दोहा–संख्या 115 से 130 तक।

StudyRaw.com

4. **मीराबाई–**

1. मेरे तो गिरिधर गोपाल 2. हे री मैं तो दरद दिवानी 3. बसो मेरे नैनन में नंदलाल 4. फागुन के दिन चार 5. मतवारो बादल आयो रे 6. आली रे मेरे नयनन बान परी 7. पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे 8. सिरी गिरिधर आगे नाचूँगी 9. सुनि हौं मैं हरि आवन की आवाज 10. दरस बिन दुखन लागे नैन 11. माई मैं लियो रमैया मोल।

5. **बिहारी :**

1. सीस मुकुट कटि काछनी 2. भृकुटी मटकनि पीत पट 3. जिन दिन देखे वे कुसुम 4. चटक न छाँड़्तु घटत 5. कनक–कनक ते सौ गुनी 6. को छूटयों एहि जाल परि 7. समय–समय सुंदर सबै 8. जौ चाहत चटक न घटै 9. संगति सुमति न पावहिं 10. दीरघ साँस लेहि दुःख 11. एहि आसा अटक्यो रहत 12. स्वारथ सुकृत न श्रम बृथा 13. इन दुखिया अँखियान कौं 14. जब–जब वे सुधि कीजिए 15. छिपयो छबिली मुख लसै 16. जप माला छापा तिलक 17. यही बिरिया नहिं और की 18. भजन कह्यो ताँतैं भज्यो 19. अधर धरत हरि कै परत 20. कर समेटि कच भुज उलट 21. करौ कुबत जगु कुटिलता।

अथवा

मध्यकालीन हिन्दी काव्य – सं0 डॉ0 चंदू लाल दूबे, प्र0 पूर्णिमा, प्रकाशन धारवाड़

1. **कबीर (कुल 5 पद)–जानहु रे नर सोबहु कहा, हरि मोरा पिउ, एक निरंजन अलह मेरा, काहे रे नलिनी, चलन–चलन सबको कहत है।**

2 **साखी – (प्रारंभ से दस साखियाँ)**

जायसी – पद्मावत – केवल गोरा बादल खंड

सूर– अविगत गति कछु कहत न आवै, अब हौं नाच्यौ बहुत गुपाल, जसोदा हरिपालने झुलावै, बूझत स्याम कौन तू गोरी, चरन कमल बंदौ, मधुबन तुम कत रहत हरे

तुलसीदास – रामचरित मानस – अयोध्याकांड – (राम वन–गमन–प्रसंग)

बिहारी – भक्ति परक दोहे–श्रृंगार परक दोहे

आलोचनात्मक प्रश्न के लिए निम्नांकित इकाइयों में अध्ययन अपेक्षित है-

इकाई 1
- (क) भक्ति आंदोलन की पूर्व पीठिका
- (ख) हिन्दी भक्ति काव्य का विकास
- (ग) भक्ति काव्य की विविध धाराएँ

इकाई 2- कबीर-
- (क) कबीर की रचनाएँ
- (ख) कबीर की सामाजिकता
- (ग) कबीर की दार्शनिकता

इकाई 3- जायसी -
- (क) जायसी का काव्य परिचय
- (ख) पद्मावत में सूफी तत्व
- (ग) मानसरोदक/गोरा बादल खंड का काव्य सौंदर्य

इकाई 4- सूरदास-
- (क) सूर की रचनाएँ
- (ख) सूर का वात्सल्य वर्णन एवं सख्य भाव
- (ग) सूर की काव्य-कला

इकाई 5- तुलसीदास -
- (क) तुलसीदास की रचनाओं का परिचय
- (ख) रामचरितमानस की महत्ता
- (ग) अयोध्याकांड 'मानस' की हृदयस्थली

इकाई 6-
- (क) रीति सिद्ध कवि के रूप में बिहारी
- (ख) बिहारी का श्रृंगार-वर्णन
- (ग) बिहारी की काव्य-कला

StudyRaw.com

अभिस्तावित ग्रंथ :-

1.	कबीर	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2	कबीर की खोज	–	डॉ0 राजकिशोर
3	जायसी	–	विजयदेव नारायण साही
4	सूर–साहित्य	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5	गोस्वामी तुलसीदास	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6	मध्यकालीन स्वच्छंद काव्यधारा	–	डॉ0 मनोहर लाल गौड़
7.	बिहारी	–	आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
8	रीतिकाव्य की भूमिका	–	डॉ0 नगेन्द्र
9	मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और हजारीप्रसाद द्विवेदी, (विशाल पब्लिकेशन, पटना)	–	डॉ0 सुनील कुमार

StudyRaw.com

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र-2

(गद्य विधाएँ)

(कथा सहित्य, नाटक एवं निबंध)

समय - तीन घंटे

पूर्णांक - 70

अंकों का विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	$3 \times 12 = 36$ अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न	:	$3 \times 8 = 24$ अंक
(ग)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	$10 \times 1 = 10$ अंक
			योग - 70 अंक

पाठ्य पुस्तकें -

पाठ्यांश -

1. उपन्यास - 1. चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा

'अथवा'

2. जुलूस - फणीश्वरनाथ रेणु

2 नाटक - चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद

3 गद्य तरंग - सं0 डॉ0 सुनील कुमार

कहानी - कानों में कँगना, शरणदाता, मलवे का मालिक, चीफ की दावत।

निबंध - हंस का नीर - क्षीर विवेक, आचरण की सभ्यता, आँगन का पंछी,

आलोचनात्मक प्रश्न -

इकाई - 1

क. हिन्दी गद्य विधाओं का विकास

ख. हिन्दी कहानी की संक्षिप्त रूपरेखा

ग. हिन्दी निबंध का सामान्य परिचय

घ. हिन्दी उपन्यास की संक्षिप्त रूपरेखा

StudyRaw.com

इकाई – 2

चित्रलेखा – (क) कथावस्तु (ख) चरित्र-चित्रण
(ग) उद्देश्य (घ) भाषा-शिल्प

जुलूस – (क) कथावस्तु (ख) चरित्र-चित्रण
(ग) उद्देश्य (घ) भाषा-शिल्प

इकाई – 3 – चन्द्रगुप्त – (क) वस्तु (ख) नेता (ग) रस

इकाई – 4 – पठित निबंधों एवं कहानियों का कलात्मक वैशिष्ट्य।

अभिस्तावित ग्रंथः–

1. हिन्दी उपन्यास – रामदरश मिश्र
2. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ त्रिभुवन सिंह
3. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – डॉ0 सुरेन्द्र चौधरी
4. हिन्दी नाटक – डॉ0 बच्चन सिंह
5. एकांकी और एकांकीकार – डॉ0 रामचरण महेन्द्र
6. निबंध सिद्धांत और प्रयोग – डॉ0 हरिहरनाथ द्विवेदी
7. हिन्दी गद्य की नई विधाएँ – डॉ कैलाशचन्द्र भाटिया

StudyRaw.com